भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 2449

उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 3 अगस्त, 2026

12 श्रावण,1948 (शक)

शिलालेखों का संरक्षण

2449. **श्री नारायण तातू राणेः**

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित शिलालेखों (पेट्रोग्लिफ्स) के संरक्षण, संवर्धन और प्रलेखन के लिए किसी विशेष योजना को कार्यान्वित कर रही है;

(ख) यदि हां, तो अब तक हुई प्रगति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार का शिलालेखों के संरक्षण के लिए विशेष कदम उठाने का विचार है;

(घ) क्या सरकार का कोंकण क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किसी विशेष पर्यटन पैकेज की घोषणा करने का विचार है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन मंत्री

(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, अपनी वार्षिक संरक्षण योजना के तहत स्थल की आवश्यकता और संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर नियमित रूप से केंद्रीय संरक्षित स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों का परिरक्षण और अनुरक्षण करता है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षण के तहत कोई शिलालेख (पेट्रोग्लिफ) नहीं हैं, अतः इनके संरक्षण, संवर्धन और प्रलेखन के लिए कोई पृथक योजना विचाराधीन नहीं है।

(घ) और (ङ): पर्यटन मंत्रालय, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में विभिन्न पहलों के माध्यम से, देश में चट्टान नक्काशी, विरासत स्थलों सहित विविध पर्यटन स्थलों और अनुभवों को बढ़ावा देता है। ये प्रचार विभिन्न प्रकार जैसे कि-पर्यटन कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों का आयोजन करना और उनमें भाग लेना; मेलों और त्योहारों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों को सहायता प्रदान करना; मंत्रालय के आतिथ्य कार्यक्रम के तहत देश की यात्रा करने के लिए प्रभावशाली लोगों, टूर ऑपरेटरों, पत्रकारों और राय बनाने वाले को यात्रा हेतु आमंत्रित करना; वेबसाइट और सोशल मीडिया के माध्यम से विभिन्न आउटरीच गतिविधियाँ; राज्य सरकारों और विदेशो में स्थित भारतीय मिशनों के सहयोग से प्रचार आदि के माध्यम से किया जाता है ।

*****